Krishan Ujjala Samvaddatta

Page No. 06 Date: 06.06.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन किया गया

कृष्ण उजाला संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद ने 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। यह सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स, साउथ कोरिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 4 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम0डी0एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर प्रसिद्ध वक्ता डॉ रवि बत्रा, ओरल सर्जन थे, जिन्हें ओरल इंप्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से इम्प्लांट किट के परिचय के साथ-साथ सर्जिकल प्रोटोकॉल और सही इम्प्लांट सिस्टम चुनने के बारे में ज्ञान दिया। डॉ बत्रा ने पहले और दूसरे दिन एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इंप्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में गहन जानकारी दी तथा इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी प्रतिभागियों के लिए सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट किट का उपयोग करके सीबीसीटी पर हैंड्स ऑन, डमी मेंडीबल्स पर ऑस्टियोटॉमी हैंड्स ऑन एवं मरीज पर इम्प्लांट करके एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया। इसके साथ ही श्री अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है।

इसलिए छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एच ओ डी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Dhara News Samvaddatta

Date: 06.06.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में आयोजन

धारा न्यूज संवाददाता, गाजियाबाद

आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद ने 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। यह सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स, साउथ कोरिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 4 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम0डी0एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें। इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर प्रसिद्ध वक्ता डॉ रवि बत्रा, ओरल सर्जन थे, जिन्हें ओरल इंप्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से इम्प्लांट किट के परिचय के साथ-साथ सर्जिकल प्रोटोकॉल और सही इम्प्लांट सिस्टम चुनने के बारे में ज्ञान दिया। डॉ बत्रा ने पहले और दूसरे दिन एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इंप्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में गहन जानकारी दी तथा इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी प्रतिभागियों के लिए सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट किट का उपयोग करके सीबीसीटी पर हैंड्स ऑन, डमी मेंडीबल्स पर ऑस्टियोटॉमी हैंड्स ऑन एवं मरीज पर इम्प्लांट करके एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया। इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Jan Sagar Today

Date: 06.06.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स का मॉड्यूल आयोजित

जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद ने 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। यह सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स, साउथ कोरिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 4 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम0डी0एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे।

यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर प्रसिद्ध वक्ता डॉ रवि बत्रा, ओरल सर्जन थे, जिन्हें ओरल इंप्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है।

डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से इम्प्लांट किट के परिचय के साथ-साथ सर्जिकल प्रोटोकॉल और सही इम्प्लांट सिस्टम चुनने के बारे में ज्ञान दिया। डॉ बत्रा ने पहले और दूसरे दिन एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इंप्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में गहन जानकारी दी तथा इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी प्रतिभागियों के लिए सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट किट का उपयोग करके सीबीसीटी पर हैंड्स ऑन, डमी मेंडीबल्स पर ऑस्टियोटॉमी हैंड्स ऑन एवं मरीज पर इम्प्लांट करके एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया।

इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है।

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिए छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Athah Samvaddatta

Date: 06.06.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में 9वें

एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद ने 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। यह सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स, साउथ कोरिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कोर्स में चार मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक चार दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे।

वह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर प्रसिद्ध वक्ता डा. रवि बत्रा, ओरल सर्जन थे, जिन्हें ओरल इंप्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है।

डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से इम्प्लांट किट के परिचय के साथ-साथ सर्जिकल प्रोटोकॉल और सही इम्प्लांट सिस्टम चुनने के बारे में ज्ञान दिया। डॉ बत्रा ने पहले और दूसरे दिन एमडीएस के

विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इंप्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में गहन जानकारी दी तथा इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी प्रतिभागियों के लिए सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट किट का उपयोग करके सीबीसीटी पर हैंड्स ऑन, डमी मेंडीबल्स पर ऑस्टियोटॉमी हैंड्स ऑन एवं मरीज पर इम्प्लांट करके एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया।

इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिए छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Hint Samvaddatta

Date: 06.06.2024

कॉलेज एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के मॉडल का हुआ प्रदर्शन

हिन्ट संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलेज की ओर से 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन हुआ। सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स, साउथ कोरिया के सहयोग से आयोजित चार दिवसीय इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया,जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम0डी0एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था,जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें। मुख्य वक्ता बतौर ओरल सर्जन डॉ रवि बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से इम्प्लांट किट के परिचय के साथ-साथ सर्जिकल प्रोटोकॉल और सही इम्प्लांट सिस्टम चुनने के बारे में ज्ञान दिया।

डॉ बत्रा ने पहले और दूसरे दिन एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इंप्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में गहन जानकारी दी । डमी मेंडीबल्स पर ऑस्टियोटॉमी हैंड्स ऑन एवं मरीज पर इम्प्लांट करके एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया। कालेज के वाईस प्रेसीडेटं अर्पित चडढा ने कहा कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के प्रति संस्थान प्रगतिशील रहा है। छात्रों का ज्ञान बढ़ाने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Shah Times Samvaddatta

Date: 06.06.2024

आईटीएस में 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलेज ने 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। यह सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स, सउथ कोरिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 4 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम.डी.एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर प्रसिद्ध वक्ता डॉ रवि बत्रा, ओरल सर्जन थे, जिन्हें ओरल इंप्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से इम्प्लांट किट के परिचय के साथ-साथ सर्जिकल प्रोटोकॉल और सही इम्प्लांट सिस्टम चुनने के बारे में ज्ञान दिया।

डॉ बत्रा ने पहले और दूसरे दिन एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इंप्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में गहन जानकारी दी तथा इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी प्रतिभागियों के लिए सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट किट का उपयोग करके सीबीसीटी पर हैंड्स ऑन, डमी मैंडीबल्स पर ऑस्टियोटॉमी हैंड्स ऑन एवं मरीज पर इम्प्लांट करके एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया। इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है।

इसलिए छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Uday Bhoomi

Date: 06.06.2024

आईटीएस डेंटल कॉलेज में 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन

प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में दी जानकारी

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया। यह सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स, साउथ कोरिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 4 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सके एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें। इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर प्रसिद्ध वक्ता डॉ रवि बत्रा, ओरल सर्जन थे, जिन्हें ओरल इंप्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से इम्प्लांट किट के परिचय के साथ-साथ सर्जिकल प्रोटोकॉल और सही इम्प्लांट सिस्टम चुनने के बारे में ज्ञान दिया। डॉ बत्रा ने पहले और दूसरे दिन एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इंप्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में गहन जानकारी दी तथा इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी प्रतिभागियों के लिए सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट किट का उपयोग

करके सीबीसीटी पर हैंड्स ऑन, डमी मंडीबल्स पर ऑस्टियो टॉमी हैंड्स ऑन एवं मरीज पर इम्प्लांट करके एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया।

इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिए छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

Hind Atma Samvaddatta

Date: 06.06.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलेज गाजियाबाद ने 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। यह सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स, साउथ कोरिया के सहयोग से आयोजित किया गया था।

इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 4 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल रहे। कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स

के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें। इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर प्रसिद्ध वक्ता डॉ रवि बत्रा ओरल सर्जन थे। कार्यक्रम के दौरान डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है।

डॉ. बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से इम्प्लांट किट के परिचय के साथ-साथ सर्जिकल प्रोटोकॉल और सही इम्प्लांट सिस्टम चुनने के बारे में ज्ञान दिया। डॉ बत्रा ने पहले और दूसरे दिन एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इंप्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में गहन जानकारी दी तथा इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी प्रतिभागियों के लिए सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट किट का उपयोग करके सीबीसीटी पर हैंड्स ऑन, डमी में डीबल्स पर ऑस्टियोटॉमी हैंड्स ऑन एवं मरीज पर इम्प्लांट करके एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन दिया। अर्पित चड्ढा ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है।

इसलिए छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Krishna Ujjala

Date: 06.06.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल काआयोजन किया गया

आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद ने 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। यह सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स, साउथ कोरिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 4 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम0डी0एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर प्रसिद्ध वक्ता डॉ रवि बत्रा, ओरल सर्जन थे, जिन्हें ओरल इंप्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से इम्प्लांट किट के परिचय के साथ-साथ सर्जिकल प्रोटोकॉल और सही इम्प्लांट सिस्टम चुनने के बारे में ज्ञान दिया। डॉ बत्रा ने पहले और दूसरे दिन एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इंप्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में गहन जानकारी दी तथा इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी प्रतिभागियों के लिए सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट किट का उपयोग करके सीबीसीटी पर हैंड्स ऑन, डमी मेंडीबल्स पर ऑस्टियोटॉमी हैंड्स ऑन एवं मरीज पर इम्प्लांट करके एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया।

इसके साथ ही श्री अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन

करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिए छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Uday Bhoomi Samvaddatta

Date: 07.06.2024

आईटीएस डेंटल कॉलेज में 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन

प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में दी जानकारी

उदय भूमि संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया। यह सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स, साउथ कोरिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 4 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सके एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें। इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर प्रसिद्ध वक्ता डॉ रवि बत्रा, ओरल सर्जन थे, जिन्हें ओरल इंप्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से इम्प्लांट किट के परिचय के साथ-साथ सर्जिकल प्रोटोकॉल और सही इम्प्लांट सिस्टम चुनने के बारे में ज्ञान दिया। डॉ बत्रा ने पहले और दूसरे दिन एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इंप्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में गहन जानकारी दी तथा इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी प्रतिभागियों के लिए सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट किट का उपयोग करके सीबीसीटी पर हैंड्स ऑन, डमी मेंडीबल्स पर ऑस्टियो टॉमी हैंड्स ऑन एवं मरीज पर इम्प्लांट करके एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया।

इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिए छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Sunhera Sansar

Date: 07.06.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

सुनहरा संसार वन्दना जोशी संवाददाता मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, मुरादनगर, गाजियाबाद में दिनांक 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस–2024 की थीम ह्यह्यभूमि बहाली, मरूस्थलीकरण और सूखा लचीलापनह्यह्य रखी गई है पर्यावरण में फैला प्रदूषण धीरे–धीरे वैश्विक संकट बनते जा रहा है, जिसके प्रति लोगों को जागरूक करने का ही है प्रकृति दिवस। इसके खिलाफ लोगों को जागरूक करने के लिये ही इस दिन की शुरूआत की गई। प्रदूषण से पृथ्वी से लेकर वायु मंडल व इस पर रहने वाले सभी जीव–जंतुओं के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है, वनों की अनियंत्रित कटाई, पॉलिथिन का प्रयोग इसका मुख्य कारण है, जिसके परिणाम स्वरूप बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग, चक्रवात, बाढ़, तूफान आदि का खतरा दुनिया पर मंडरा रहा है। वैज्ञानिक व पर्यावरणविद् लगातार इसे लेकर लोगों को जागरूक होने की सलाह दे रहे है। ऐसे में सभी को जरूरत है पौधारोपण की जिसके माध्यम से हम पर्यावरण को शुद्ध बना सकते है। इसी अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज में निम्नलिखित गतिविधियों की श्रृंखला का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान की ओपीडी तथा शिविर स्थल लोनी में आने वाले मरीजों को वायु प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों और स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ वातावरण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। संस्थान में स्टाफ और फैकल्टी द्वारा पौधारोपण किया गया। इसके साथ ही स्वच्छ पर्यावरण के महत्व एवं प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए संस्थान द्वारा मरीजों को जागरूक भी किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ ज्ञानवर्धक मंच प्रदान हुआ जिसके के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Sunhera Sansar

Date: 07.06.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन किया गया

सुनहरा संसार वन्दना जोशी संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद ने 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। यह सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स, साउथ कोरिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 4 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम0डी0एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें। इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर प्रसिद्ध वक्ता डॉ रवि बत्रा, ओरल सर्जन थे, जिन्हें ओरल इंप्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से इम्प्लांट किट के परिचय के साथ-साथ सर्जिकल प्रोटोकॉल और सही इम्प्लांट सिस्टम चुनने के बारे में ज्ञान दिया। डॉ बत्रा ने पहले और दूसरे दिन एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इंप्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में गहन जानकारी दी तथा इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी प्रतिभागियों के लिए सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट किट का उपयोग करके सीबीसीटी पर हैंड्स ऑन, डमी मेंडीबल्स पर ऑस्टियोटॉमी हैंड्स ऑन एवं मरीज पर इम्प्लांट करके एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया। इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर-तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिए छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के संस्थान द्वारा इस जानकारी पूर्ण ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Aap Abhi Tak

Date: 07.06.2024

डेन्टल कॉलेज में 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल काआयोजन

संवाददाता (आप अभीतक)

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद ने 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। यह सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स, साउथ कोरिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 4 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर प्रसिद्ध वक्ता डॉ रवि बत्रा, ओरल सर्जन थे, जिन्हें ओरल इंप्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से इम्प्लांट किट के परिचय के साथ-साथ सर्जिकल प्रोटोकॉल और सही इम्प्लांट सिस्टम चुनने के बारे में ज्ञान दिया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के लिए सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट किट का उपयोग करके सीबीसीटी पर हैंड्स ऑन, डमी मेंडीबल्स पर ऑस्टियोटॉमी हैंड्स ऑन एवं मरीज पर इम्प्लांट करके एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया।

इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Yug Karvat

Date: 07.06.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के मॉड्यूल का आयोजन

गाजियाबाद (युग करवट। आईटीएस डेन्टल कॉलेज ने 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन किया। यह सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स, साउथ कोरिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित हैं जो प्रत्येक 4 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कार्यक्रम आईटीएस–द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। गेस्ट स्पीकर ओरल सर्जन रवि बत्रा थे। डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी। डॉ बत्रा ने पहले और दूसरे दिन एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इंप्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी प्रतिभागियों के लिए सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट किट का उपयोग करके सीबीसीटी पर हैंड्स ऑन, डमी मेंडीबल्स पर ऑस्टियोटॉमी हैंड्स ऑन एवं मरीज पर इम्प्लांट करके एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया। इसके साथ ही श्री अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर–तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Vartman Satta

Date: 07.06.2024

आईटीएस डेंटल कॉलेज में मॉड्यूल का आयोजन

वर्तमान सत्ता

मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद ने 9वें एडवांस्ड ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। यह सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स, साउथ कोरिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कोर्स में 4 मॉड्यूल सम्मिलित है जो प्रत्येक 4 दिनों के होगें। इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम0डी0एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे।

यह कार्यक्रम आईटीएस–द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच इम्प्लांट्स के महत्तव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था जिसके माध्यम से मरीजों के लापता दांतों को इम्प्लांट्स के जरिए लगाया जा सकें एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान कर सकें। इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर प्रसिद्ध वक्ता डॉ रवि बत्रा, ओरल सर्जन थे, जिन्हें ओरल इंप्लांटोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक ज्ञान प्राप्त है और वह नियमित रूप से इस तरह के कोर्स संचालित कर रहे है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि करना तथा भविष्य में उन रोगियों में इम्प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित करने और लगाने के लिये तैयार करना था जिन रोगियों के दांत नहीं है। डॉ बत्रा ने सभी प्रतिभागियों को व्यापक रूप से इम्प्लांट किट के परिचय के साथ–साथ सर्जिकल प्रोटोकॉल और सही इम्प्लांट सिस्टम चुनने के बारे में ज्ञान दिया।

डॉ बत्रा ने पहले और दूसरे दिन एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को ओरल इंप्लांटोलॉजी उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में गहन जानकारी दी तथा इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी प्रतिभागियों के लिए सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट किट का उपयोग करके सीबीसीटी पर हैंड्स ऑन, डमी मंडीबल्स पर ऑस्टियोटॉमी हैंड्स ऑन एवं मरीज पर इम्प्लांट करके एक लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया। इसके साथ ही श्री अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरक शब्दों के साथ प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया तथा उन्होंने बताया कि संस्थान में नियमित रूप से इस तरह के ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रमों का आयोजन करना ही संस्थान का उद्देश्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम उपचार के तौर–तरीकों के प्रति संस्थान का हमेशा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण रहा है। इसलिए छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के संस्थान द्वारा इस जानकारीपूर्ण ओरल इंप्लांटोलॉजी कोर्स का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक–प्रधानाचार्य डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ–साथ सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को ओरल इंप्लांटोलॉजी के बारे में नवीनतम ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस–द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**